Government Review on the Annual Report (2016-17) of National Institute of Ayurveda, Jaipur

The National Institute of Ayurveda was established on 7th February 1976 by merging the then Government Ayurveda College, Jaipur. The Institute has grown and made progress in the field of Ayurveda Education, Training and Treatment of the highest order.

The Institute has 14 Specialties available for Post-Graduate Education with 104 seats and all the 14 subjects are also available for Regular Fellowship Program leading to Ph.D. with 2 seats each. Apart from the Graduate Course of BAMS with 92 Seats, a Diploma Course in AYUSH Nursing and Pharmacy with 30 Seats are also available in the Institute.

90 seats in the UG Course, 103 seats in the PG Courses, 30 seats in the Diploma Course of AYUSH Nursing & Pharmacy and 18 seats in the Panchakarma Attendant Certificate Course were admitted during the reported year. Further, notification has also been issued to start a One Year Panchakrma Technician Course from this year onwards.

The Institute has 280 bedded NABH Accredited Campus Hospital. The E-Hospital Services of the Institutes are successfully benefitting patients. During the year, 2,33,805 patients were treated in OPD and 78,570 Patients were treated in the 300 Bedded IPD Hospital. During the year, 50 Camps were also organized through which 48,871 Patients were treated and free medicines dispensed.

There is a GMP Certified Pharmacy manufacturing Medicines required for the Hospitals and to meet the needs of research activities of PG and Fellowship Programs. During the year, 130 Types of Medicines (41,370 Kg.) worth Rs. 1,32,47,957 were manufactured. The De-Addiction Unit is treating people addicted to tobacco, alcohol, etc.

The Institute, along with National Ayurveda Students & Youth Association(NASYA) achieved a Guinness World Record for the Most People Receiving Nasya Panchakarma Treatment Simultaneously.

The Institute has also signed an MOU with Universiti Tunku Abdul Rahman, Kaula Lumpur, Malaysia for collaboration in the field of Education, Training, Research, Publication and Popularization of Ayurveda in Malaysia.

The Institute provides Hostel Accommodation for 458 Students in its 7 Hostels for Students and Scholars of Diploma, UG, PG and Ph.D., separately for Girls and Boys.

The Library of the Institute has a collection of 28,000 Text Books, subscription of 115 Journals and Newspapers. 2,616 Annual Volumes of Journals are available for reference and research purposes. The Book Bank has 7,531 books for the use of students on merit-cum-need basis.

Contd...

93

The Institute has good infrastructure like Buildings for Academic, Hospitals, Hostels, Pharmacy, Office, Laboratory, Cottage and Cubical Wards, Auditorium etc. in the 12 acres Campus.

During the year, Rs. 3157.00 Lakhs in Non-Plan and Rs. 2400.00 Lakhs in Plan was provided by Ministry of AYUSH for various activities in the Institute.

(Shripad Naik)

SHRIPAD NAIK
Minister of State (I/C) AYUSH
AYUSH MINISTRY

आयुर्वेद, योग व प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी (आयुष) मंत्रालय

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर की वार्षिक रिपोर्ट(2016-17) पर

सरकार की समीक्षा

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान की स्थापना तत्कालीन राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज, जयपुर का विलय करके 7 फरवरी, 1976 को की गई थी। संस्थान ने उच्चतम स्तर की आयुर्वेदिक शिक्षा, प्रशिक्षण और उपचार में प्रगति की है।

इस संस्थान में 104 सीटों के साथ स्नातकोत्तर शिक्षा के लिए 14 विशेषज्ञताएं उपलब्ध हैं और ये सभी 14 विषय पी.एच.डी हेतु नियमित अध्येतावृत्ति कार्यक्रम के लिए भी उपलब्ध हैं जिनमें प्रत्येक में 2-2 सीटें हैं। 92 सीटों के साथ बीएएमएस के स्नातक पाठ्यक्रम के अतिरिक्त, संस्थान में 30 सीटों सहित आयुष नर्सिंग एवं फार्मेसी में डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी उपलब्ध है।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान स्नातकपूर्व पाठ्यक्रम में 90 सीटों, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 103 सीटों, आयुष नर्सिंग व फार्मेसी डिप्लोमा पाठयक्रम में 30 सीटों और पंचकर्म परिचर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम में 18 सीटों में प्रवेश दिया गया। इसके अतिरिक्त इसी साल से एक एक-वर्षीय पंचकर्म तकनीशियन पाठ्यक्रम प्रारंभ करने के लिए भी अधिसूचना जारी कर दी गई है।

इस संस्थान का 280 बिस्तरों वाला एनएबीएच प्रत्यायित कैम्पस वाला अस्पताल है। संस्थान की ई-अस्पताल सेवाएं रोगियों को सफलतापूर्वक लाभ पहुंचा रही हैं। इस वर्ष के दौरान 2,33,805 रोगियों का उपचार ओपीडी में किया गया और 78,570 रोगियों का उपचार 300 बिस्तरों वाले अस्पताल की आईपीडी में किया गया । वर्ष के दौरान, 50 शिविरों का भी आयोजन किया गया जिनके माध्यम से 48,871 रोगियों का उपचार किया गया और निःशुल्क औषधियां वितरित की गई।

संस्थान में जीएमपी प्रमाणित फार्मेसी है जो अस्पतालों और स्नातकोत्तर एवं अध्येता कार्यक्रमों के अनुसंधान कार्यकलापों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आवश्यक औषधियों का विनिर्माण करती है। वर्ष के दौरान 1,32,47,957 रुपए मूल्य की 130 प्रकार की औषधियां (41,370 कि.ग्रा.) विनिर्मित की गईं। नशामुक्ति एकांश तंबाकू, अल्कोहल, इत्यादि के व्यसनी लोगों का उपचार कर रहा है।

राष्ट्रीय आयुर्वेद छात्र एवं युवा संघ (एनएएसवाईए) के साथ मिलकर संस्थान ने एक साथ नास्य पंचकर्म उपचार प्राप्त करने वाले सर्वाधिक लोगों के लिए गिनिज विश्व कीर्तिमान प्राप्त किया।

इस संस्थान ने शिक्षण, प्रशिक्षण, अनुसंधान, प्रकाशन के क्षेत्र में सहयोग और मलेशिया में आयुर्वेद को लोकप्रिय बनाने के लिए यूनिवर्सिटी तुन्कु अब्दुल रहमान, कुआलालुम्पुर, मलेशिया के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी किए हैं।

यह संस्थान डिप्लोमा, स्नातकपूर्व, स्नातकोत्तर और पीएचडी छात्रों एवं अध्येताओं के लिए अपने 7 छात्रावासों में 458 छात्रों के लिए लड़कियों व लड़कों के अलग-अलग होस्टल आवास प्रदान करता है।

संस्थान के पुस्तकालय में 28000 पाठ्य पुस्तकों का संग्रहण है और 115 पत्रिकाओं एवं समाचार पत्रों का क्रय किया जाता है। संदर्भ और अनुसंधान उद्देश्यों के लिए पत्रिकाओं के 2616 वार्षिक खंड उपलब्ध हैं। योग्यता-सह-आवश्यकता के आधार पर छात्रों के उपयोगार्थ दी जाने वाली 7531 पुस्तकों का बुक बैंक है।

संस्थान के 12 एकड़ परिसर में शिक्षण, अस्पतालों, छात्रावासों, फार्मेसी, कार्यालय, प्रयोगशाला कॉटेज और क्यूबिकल वार्ड्स, सभागार आदि के लिए भवनों जैसी बेहतर अवसंरचना है।

वर्ष के दौरान, आयुष मंत्रालय द्वारा संस्थान के विभिन्न कार्यकलापों के लिए गैर योजना में 3157 लाख रु. और योजना में 2400 लाख रु. दिए गए।

(श्रीपाद नाईक)

SHRIPAD NAIK
Minister of State (I/C) AYUSH
AYUSH MINISTRY